नामांक Roll No.

Question Booklet No.

No. of Questions – 21

SS-21-Hindi Sah.

No. of Printed Pages – 11

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2026
हिंदी साहित्य

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । (i से xii) **[12×1=12]**

i) इनमें से मालवा क्षेत्र में बहने वाली नदी है **[1]**

अ) बनास ब) लूणी

स) घग्गर द) चंबल

ii) छप्पन का अकाल किस विक्रमी संवत में पड़ा ? **[1]**

अ) 1956 ब) 2056

स) 1856 द) 1756

iii) किसका फूल सूँघकर बर्रे ततैया का डंक झड़ जाता है ? **[1]**

अ) सनई का ब) कोकाबेली का

स) बेर का द) हरसिंगार का

iv) ''तुम्हारी तरफ से मेरा दिल साफ है ।'' सूरदास ने ये वाक्य किससे कहा ? **[1]**

अ) भैरों को ब) जगधर को

स) नायकराम को द) सुभागी को

v) 'पहचान' लघुकथा में राजा ने सबसे पहले क्या हुक्म दिया ? **[1]**

अ) सब अपने-अपने होंठ सिलवा लें ।

ब) सब प्रजा अपने कान बंद कर लें ।

स) सब लोग अपनी आँखें बंद रखेंगे ।

द) सब लोग अपने मुँह बंद कर लें ।

vi) 'दूसरा देवदास' कहानी के पात्र मंगल पंडा के अनुसार अस्नान कब अधूरा रहता है ? [1]

अ) स्नान के बाद भगवान के दर्शन नहीं करने पर ।

ब) स्नान के बाद दक्षिणा नहीं देने पर ।

स) स्नान के बाद संतों की सेवा करने पर ।

द) स्नान के बाद चंदन के तिलक के बगैर ।

vii) 'दिशा' कविता में कवि ने बच्चे से क्या पूछा ? [1]

अ) सूर्य किस दिशा में अस्त होता है ?

ब) हिमालय किधर है ?

स) तुम्हारा घर किधर है ?

द) हिंद महासागर किधर है ?

viii) ''नैन चुवहिं जस माहुँट नीरु ।'' पंक्ति में प्रयुक्त 'माहुँट' का अर्थ है [1]

अ) क्लिष्ट ब) मेंढक

स) मूसलाधार द) महावट

ix) कहानी विधा को नाटक विधा से अलग करने वाला तत्व है [1]

अ) कथानक ब) संवाद

स) अभिनय द) पात्र

x) नाट्य-शास्त्र के अनुसार नाटक का शरीर किसे कहा गया है ? [1]

अ) समय का बंधन

ब) बोले जाने वाले शब्द

स) पात्र का अंतर्द्वंद्व

द) उद्देश्य

xi) सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली में कहाँ होती है ? **[1]**

अ) मध्य एवं अंत के बीच में   ब) शीर्ष पर

स) मध्य में   द) अंत में

xii) इनमें से व्याख्यात्मक ककार है **[1]**

अ) क्या   ब) कौन

स) कैसे   द) कब

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (i से vi) **[6×1=6]**

i) ''हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती, स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती ।'' पंक्ति में __________ गुण है । **[1]**

ii) ''हेमसुता पति-वाहन प्रिय'' पंक्ति में __________ दोष है । **[1]**

iii) काव्य में जहाँ अर्थ के आधार पर चमत्कार उत्पन्न हो उन अलंकारों को _________ कहते हैं । **[1]**

iv) ''देखो दो-दो मेघ बरसते, म्हे प्यासी की प्यासी ।'' पंक्ति में ________ अलंकार है । **[1]**

v) प्रत्येक चरण में 31 वर्ण, 16-15 पर यति तथा चरण के अंत में गुरु-लघु नहीं होने के लक्षण वाला छंद __________ है । **[1]**

vi) गण को ज्ञात करने का सूत्र यमातारा __________ है । **[1]**

3. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (i से vi) **[6×1=6]**

i) प्रसाद गुण की परिभाषा लिखिए । **[1]**

ii) छंद कितने प्रकार के होते हैं ? नाम लिखिए । **[1]**

iii) कहानी लेखन कला को सीखने का सबसे अच्छा तरीका कौन-सा है ? **[1]**

iv) कविता सर्जन के संबंध में कौन-सी शैली कवि की ताकत बन जाती है ? **[1]**

v) 'संपादक के नाम पत्र' स्तंभ की सामान्य जानकारी दीजिए । **[1]**

vi) फीचर की परिभाषा लिखिए । **[1]**

4. दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[6×1=6]**

सांस्कृतिक चेतना की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति सार्वभौम सत्य के आधार पर प्रतिष्ठित धार्मिक भावना और दार्शनिक चिन्तनधारा के माध्यम से हुई । कला, शिल्प, साहित्य और संगीत इन्हीं की आनुषंगिक उपलब्धियाँ है । इन सबका क्षेत्र विशाल मानव समाज है जिसकी प्रेरणा और प्रसाद से मनुष्य जीवन-यापन करता है । भारतीय जीवन में समय-समय पर विदेशी और विजातीय तत्त्वों के आते रहने के कारण परस्पर संघात होते रहे हैं । परंतु इन्हीं से होकर ऐसी जीवन शक्ति का संचार भी होता रहा है कि हम डूबते-डूबते भी उबरते चले आए हैं, निष्प्रभ या निस्तेज न होकर नवजीवन की अरुणिमा से महिमा मंडित होते रहे हैं । इन सबके मूल में हमारी समन्वय साधना की प्रवृत्ति प्रधान रही है । इसे हम मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के संदर्भ में समझ सकते हैं ।

i) आनुषंगिक शब्द का अर्थ है **[1]**

अ) अस्पष्ट

ब) अद्वितीय

स) अनुपम

द) प्रासंगिक

ii) 'अरुणिमा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है **[1]**

अ) मा

ब) ईमा

स) इमा

द) अणिमा

iii) विदेशी और विजातीय तत्त्वों के परस्पर संघात से भारत पर क्या प्रभाव पड़ा ? **[1]**

अ) भारत की संस्कृति नष्ट हो गई ।

ब) हम निष्प्रभ और निस्तेज हो गए ।

स) हम नैतिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर हो गए ।

द) भारत में अदम्य जीवन शक्ति का संचार हुआ ।

iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

v) सांस्कृतिक चेतना की सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति किस माध्यम से हुई ? **[1]**

vi) गद्यांश का प्रतिपाद्य लिखिए । **[1]**

5. दिए गए अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[6×1=6]**

हे प्रभु ! आनंद दाता ज्ञान हमको दीजिए ।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिए ।
लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बने ।
ब्रह्मचारी, धर्म रक्षक, वीर व्रतधारी बने ।
सत्य बोलें, झूठ त्यागे, मेल आपस में करें ।
दिव्य जीवन हो हमारा, यश तेरा गाया करें ।
जाये हमारी आयु हे प्रभु, लोक के उपकार में ।
हाथ डाले हम कभी ना, भूलकर अपकार में ।

i) ''मेल आपस में करें'' पंक्ति का प्रतीकार्थ है **[1]**

अ) द्वेष का प्रसार करें ।

ब) मैल (अस्वच्छता) को अवरुद्ध करें ।

स) सद्भाव आधारित आपस में व्यवहार करें ।

द) आपस में मल्ल युद्ध करें ।

ii) 'सदाचारी' शब्द का अर्थ इनमें से हैं [1]

अ) अच्छी वेशभूषा वाला   ब) अच्छे स्वास्थ्य वाला

स) अच्छे स्वरूप वाला   द) अच्छे व्यवहार वाला

iii) कवि कैसे जीवन की कामना कर रहा है ? [1]

अ) कलुषित जीवन की ।   ब) दिव्यतापूर्ण जीवन की ।

स) नैराश्यपूर्ण जीवन की ।   द) रुग्ण जिंदगी की ।

iv) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [1]

v) कवि प्रभु से क्या प्रार्थना कर रहा है ? [1]

vi) पद्यांश के अनुसार कवि क्या नहीं करना चाहता है ? [1]

खण्ड – ब

निर्देश : प्रश्न संख्या **6** से **15** तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा **40** शब्द हैं ।

6. सूरदास को झोंपड़े के जल जाने का दुःख न था, दुःख था उस पोटली का । सूरदास को पोटली का दुःख क्यों था ? [2]

7. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में गाँव में बारिश आने पर कैसा वातावरण होता था ? [2]

8. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ के आधार पर बताइए कि मालवा के सब राजा क्या जानते थे ? [2]

9. 'देवसेना का गीत' में 'प्रलय चल रहा अपने पथ पर' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [2]

10. 'बारहमासा' के फागुण मास में विरह से नागमती की कैसी स्थिति हो रही है ? [2]

11. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' या घनानंद का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

12. बालक द्वारा लड्डू माँगने पर पिता एवं अध्यापक क्यों निराश हो गए ? [2]

13. किसान को साझे में खेती करने के लिए किसने और क्या पट्टी पढ़ाई ? [2]

14. रामचंद्र शुक्ल या ममता कालिया का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

15. मानवीकरण अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । [2]

खण्ड – स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए ।

16. 'सरोज स्मृति' कविता में पिता-पुत्री के आत्मीय संबंध, पिता के संघर्ष और पुत्री वियोग की पीड़ा का संवेदनशील चित्रण है । उक्त कथन की समीक्षा कीजिए । [3]

अथवा

भरत राम के प्रति अटूट श्रद्धाभाव एवं सतत समर्पण रखते हैं । उक्त कथन की समीक्षा कीजिए ।

17. ''विकास का उजला पहलू अपने पीछे कितने व्यापक पैमाने पर विनाश का अँधेरा लेकर आया है ।'' 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए । **[3]**

अथवा

'कुटज' पाठ के आधार पर कुटज वृक्ष की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

18. सूरदास पर ''खेल में रोते हो'' की चेतावनी सुनकर क्या प्रभाव पड़ा ? **[3]**

अथवा

'अपना मालवा खाऊ उजाडू सभ्यता में' पाठ के अनुसार पर्यावरण विनाश से प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है । कैसे ? समझाइए ।

खण्ड – द

19. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[5]**

संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते । आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है । संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं है । गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है । न आगे नाथ ना पीछे पगहा । बिना मज़दूरी लिए ही जो गाँव–गाँव संवाद पहुँचावे, उसको और क्या कहेंगे ?

अथवा

एक वृद्ध महाशय ने उसके सिर पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और कहा कि जो तू इनाम माँगे वही दें । बालक कुछ सोचने लगा । बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दिख रही थी । कुछ खाँसकर, गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू' । पिता और अध्यापक निराश हो गए । इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था । अब मैंने सुख से साँस भरी ।

20. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[5]**

अमुक दिन अमुक बार मदन महीने की होवेगी पंचमी

दफ़्तर में छुट्टी थी–यह था प्रमाण

और कविताएँ पढ़ते रहने से यह पता था

कि दहर–दहर दहकेंगे कहीं ढाक के जंगल

आम बौर आवेंगे

रंग–रस–गंध से लदे–फँदे दूर के विदेश के

वे नंदन–वन होवेंगे यशस्वी ।

अथवा

के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास ।

हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।।

एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए ।

सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।।

मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल ।

गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।

21. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए । **[5]**

i) आपरेशन सिंदूर : भारत का गौरव

ii) राजस्थान की शौर्य परंपरा

iii) मेरी प्रिय रचना

iv) नियमित योग : आज की महती आवश्यकता

DO NOT WRITE ANYTHING HERE